

Need for an effective policy to curb increasing incidents of drug abuse among youth in the country-Laid

श्री दिलीप शङ्कीया (दारंग-उदालगुड़ी) : भारत विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध संस्कृतियों में से एक है, लेकिन आज हमारा देश नशे की बढ़ती लत की समस्या से जूझ रहा है। देश में 35 वर्ष से कम उम्र के लगभग 65 प्रतिशत युवा हैं और ऐसे में युवाओं के बीच नशे का बढ़ता चलन देश के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। देश में नशा व्यापार का केंद्र भी बनता जा रहा है और ये कारोबार लगभग 15 लाख करोड़ रु. प्रतिवर्ष से अधिक का है और देश की 14.6 प्रतिशत आबादी नशे की गिरफ्त में है। देश में 10 से 17 वर्ष के 1.48 करोड़ बच्चे शराब, कोकेन, अफ़ीम, गांजा आदि का सेवन कर रहे हैं। पूर्वोत्तर भारत में असम, मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर, नागालैंड जैसे राज्य नशीले पदार्थों के तस्करों के लिए प्रमुख लक्ष्य बन गए हैं। NCRB के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021 में 10560 लोगों ने नशे की लत से परेशान होकर आत्महत्या की थी, वहीं वर्ष 2022 में यह आंकड़ा 11500 से अधिक था। गोल्डन क्रिसेंट (ईरान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान) और गोल्डन ट्रायंगल (थाईलैंड-लाओस-म्यांमार) भारत के लिए अवैध ड्रग तस्करी के केंद्र हैं। सरकार से अनुरोध है कि देश को नशा मुक्त बनाने के लिए एक सशक्त नीति लागू की जाए।